Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the government to provide the benefit of downfall of crude oil prices to common people.

श्री अधीर रंजन चौधरी (**बहरामपुर**): सर, कल भी मैंने यह बात रखने की कोशिश की । जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट होती है तो हिन्दुस्तान की सरकार इस सुविधा को आम लोगों की जेब में डालने के बजाय अपना खाता भर रही है । यह आम लोगों के साथ सरासर घोर अन्याय हो रहा है ।

सर, संयोग से वर्ष 2004 **में** इसकी कीमत 35 डॉलर प्रति बैरल थी और आज भी यह 35 डॉलर प्रति बैरल आ गई है, लेकिन वर्ष 2004 में डीजल की कीमत 22 रुपये प्रति लीटर, पेट्रोल की 35 रुपये प्रति लीटर और एल.पी.जी. की 281 रुपये थी । पर, आज क्या हुआ? आज डीजल के दाम 62 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं, पेट्रोल के दाम 70 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं और एल.पी.जी. के दाम 858 रुपये हो गए हैं । इसका मतलब ये लोग आम लोगों की जेब काट कर सरकार चलाने की कोशिश करते हैं ।

सर, कल सदन में एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी गई । एक्साइज ड्यूटी तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी गई, रोड सेस एक रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया । जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में गिरावट होती है, 35 डॉलर एक बैरल की है तो यह सुविधा आम लोगों को क्यों नहीं मुहैया कराई जाती है? …(व्यवधान) आम लोगों को यह सुविधा मुहैया कराई जानी चाहिए । …(व्यवधान)